

प्रेषक,

आर०डी०पालीवाल,  
सचिव एवं विधि परामर्शी,  
उत्तराखण्ड शासन ।

सेवा में,

महाधिवक्ता, उत्तराखण्ड,  
नैनीताल ।

न्याय अनुभाग : 2

देहरादून : दिनांक : 21 मार्च, 2007

विषय:- वित्तीय वर्ष 2006-2007 के लिए अनुदानान्तर्गत उपलब्ध बचतों से अतिरिक्त धनराशि के व्यावर्तन की स्वीकृति ।

महोदय,

कृपया उपर्युक्त विषयक अपने पत्र संख्या 215/2005-06, दिनांक 11.12.2006 का सन्दर्भ ग्रहण करने का कष्ट करें ।

2. इस सम्बन्ध में शासनादेश संख्या: 3-दो(6)/XXXVI(1)/2006-1-दो(6)/06, दिनांक 11.5.2006 एवं शासनादेश संख्या: 6-दो(6)/XXXVI(1)/2006-1-दो(6)/06, दिनांक 12.10.2006 के अनुक्रम में मुझे यह कहने का निर्देश हुआ है कि महाधिवक्ता कार्यालय के उपसंग्रहार्थ सलगन बी०एम०-15 के स्तम्भ-1 में अंकित मद में अनुदानान्तर्गत उपलब्ध बचतों से बी०एम०-15 के स्तम्भ-5 में अंकित मद में कुल रु० 40,00,000/- (चात्तास लाख रुपये मात्र) को धनराशि के व्यावर्तन की स्वीकृति निम्न शर्तों के अधीन महामहिम राज्यपाल सहर्ष प्रदान करते हैं :-

- (1) उपर्युक्त धनराशि बजट मैनुअल, वित्तीय हस्तपुस्तिका, मितव्ययता के सम्बन्ध में समय-समय पर निर्गत आदेशों तथा शासन के अन्य आदेशों का पालन किया जाय ।
- (2) यह भी सुनिश्चित करें कि उपर्युक्त अनुदान से अधिक व्यय किसी भी दशा में न किया जाय ।
- (3) व्यय उसी मद में किया जायेगा जिनके लिए यह धनराशि स्वीकृत की जा रही है ।

3. इस सम्बन्ध में होने वाला व्यय वर्तमान वित्तीय वर्ष 2006-2007 के आय-व्ययक के अनुदान संख्या-04 के अन्तर्गत लेखा शीर्षक "2014-न्याय प्रशासन-00-आयोजक-114-विधि सलाहकार और परामर्शदाता(काउन्सिल)-03-महाधिवक्ता-00-15-व्यावसायिक तथा विशेष सेवाओं के लिए भुगतान" के नामे डाला जायेगा ।

4. यह आदेश वित्त अनुभाग-5 के अशासकीय संख्या-122/XXVII(5)/2007, दिनांक 19.3.2007 में प्राप्त उनकी सहमति से निर्गत किये जा रहे हैं ।

भवदीय,

( आर०डी०पालीवाल )  
सचिव ।

संलग्नक- यथोक्त ।

संख्या : 9-दो(6)/XXXVI(1)/2006-1-दो(6)/06-तद्दिनांक

प्रतिलिपि निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित:-

- 1- महालेखाकार (लेखा एवं हकदारी), उत्तराखण्ड, भाजरा, देहरादून ।
- 2- वरिष्ठ कोषाधिकारी, नैनीताल ।
- 3- वित्त अनुभाग-5, उत्तराखण्ड शासन ।
- 4- एन०आई०सी०/सम्बन्धित सहायक/गार्ड बुक ।

( आलोक कुमार वर्मा )  
अपर सचिव ।

सैनिक अधिकारी का नाम- महाशिवदास, उत्तराखण्ड, नैनीताल ।

प्रशासनिक विभाग का नाम- न्याय विभाग, उत्तराखण्ड शासन, देहरादून ।

1	2	3	4	5	6	7	8
व्यक्तिगत तथा सेवा शीर्षक का विवरण	सैनिक मंदार अध्यापक व्यव	वित्तीय एवं सेवा अवधि में अनुमानित व्यय	अवशेष (संतुलन) धनराशि	सेवा शीर्षक शिखर धनराशि स्वामित्व में की जा रही है ।	पुनर्विनियोग के बाद सामान्य 3 को कुल धनराशि	पुनर्विनियोग के बाद सामान्य 1 से अवशेष धनराशि	अन्य विवरण
2014-न्याय प्रशासन-00-आयोजनोत्तर-114-विधि सलाहकार और परामर्शदाता(काउन्सिल)-04-विधि परामर्शी तथा सलाहकार अधिवक्ता-00	31000	31000	4000-क	2014-न्याय प्रशासन-00-आयोजनोत्तर-114-विधि सलाहकार और परामर्शदाता (काउन्सिल)-03-महाशिवदास-00	19000	27000	क-महाशिवदास व उत्तराखण्ड सरकार के सह-प्रतिभाषक से अधिक अवसर प्राप्त होने के कारण ।
14-व्यावसायिक तथा विशेष सेवाओं के भुगतान	36000	36000	4000	16-व्यावसायिक तथा विशेष सेवाओं के भुगतान	4000-व	27000	
कुल धनराशि 31000	36000	36000	4000	4000	19000	27000	

प्रमाणित किया जाता है कि पुनर्विनियोग से बचत सेवुअल के फॉरवर्ड 150-156 में उल्लिखित प्रक्रियाओं एवं सीमाओं का उल्लंघन नहीं किया गया है ।

उत्तराखण्ड शासन  
वित्त विभाग

संख्या-122-क/XXVII(6)/2007

देहरादून : दिनांक : 19 मार्च, 2007

पुनर्विनियोग स्वीकृत

सेवा से,

महाशिवदास (सेवा एवं रुकरारी),

उत्तराखण्ड, ओबराय विनिर्देश, सकारनपुर रोड,

पारांग, देहरादून ।

एन.एन.परमेश्वर,  
अपर सचिव, वित्त ।

संख्या- 9-नो(6)XXXXVI(1)/2006-1-नो(6)08-गददिनांक ।

प्रतिनिधि निम्नलिखित को सूचनाएँ एवं आभारक कार्यवाही हेतु प्रेषित :-

1. महाशिवदास, उत्तराखण्ड, नैनीताल ।
2. मुख्य सचिव, उत्तराखण्ड शासन, देहरादून ।
3. वरिष्ठ क्लर्क/कार्यकारी, नैनीताल ।
5. वित्त अनुभाग-5/एन.आई.सी. /संवर्धित सर्वसह अधिकारी/गार्ड फ़ाइल ।

अमरा तै  
(अलोक कुमार उर्मै)  
अपर सचिव ।

(अलोक कुमार उर्मै)  
अपर सचिव ।